

The Deputy Prime Minister and Minister of Finance (Shri Morarji Desai): (a) and (b). Government charges rent for its accommodation assessed in accordance with the provisions contained in F.R. 45A subject to a maximum of 10 per cent of pay in the case of officers drawing emoluments more than Rs. 150/- p.m. and 7½ per cent in the case of officers drawing less than Rs 150/-p.m. The rentals of private accommodation in classified cities are much higher. Government have, therefore, allowed a subsidy in the shape of house rent allowance for Government servants who are not provided with Government accommodation. Thus, there is no anomaly in this matter.

(c) Does not arise

Transport Firms of Rohtak

3970. Shri Madhu Limaye:

Dr. Ram Manohar Lohia:

Shri S. M. Banerjee:

Shri George Fernandes:

Will the Minister of Finance be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 309 on the 3rd November 1966 and state:

(a) whether the scrutiny and examination of the accounts of the transport firms in Rohtak District in order to assess the evasion of tax by these firms has since been completed;

(b) if so, the new tax assessment made; and

(c) the fines/penalties imposed, if any?

The Deputy Prime Minister and Minister of Finance, (Shri Morarji Desai): (a) No, Sir

(b) and (c). Does not arise

M/s. Remfry & Son.

3971. Shri Madhu Limaye:

Shri S. M. Banerjee:

Dr. Ram Manohar Lohia:

Shri George Fernandes:

Will the Minister of Finance be pleased to refer to the reply given to

Starred Question No. 345 on the 17th November, 1966 and state:

(a) whether proceedings under Section 19(2) of the Foreign Exchange Regulations Act have since been completed;

(b) the amount of fine imposed on M/s. Remfry and Son; and

(c) whether the fine has been recovered?

The Deputy Prime Minister and Minister of Finance, (Shri Morarji Desai): (a) On the completion of the proceedings under section 19(2) of the Foreign Exchange Regulation Act instituted against M/s Remfry & Son, three show cause notices have been issued to them for contravention of sections 9.4(1) and 5(1)(a) respectively of the said Act. The adjudication proceedings are in progress.

(b) and (c) Do not arise at this stage.

गड़क परियोजना

3972. श्री विभूति मिश्र :

श्री क० ना० तिवारी :

क्या सिद्धाई और बिछत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार ने वर्ष 1967-68 में गड़क परियोजना के लिये अपने हिस्से की देय-राशि कम कर दी है और

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ?

सिद्धाई और बिछत मंत्री. (अ० के० एम० राव) (क) और

(ख). केन्द्रीय सरकार गड़क परियोजना पर व्यय के लिये बिहार और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों को राज्य योजना में निर्धारित सीमा के अन्दर मत प्रति मत निश्चित ऋण सहायता दे रही है। इसके प्रतिरक्त

नेपाल को लाभ पहुंचाने वाले कार्यों के लिए जो परियोजना का भाग है और जिन की कार्यान्विति बिहार सरकार द्वारा की जा रही है राज्य योजना में निर्धारित सीमा के अलावा वित्तीय सहायता अनुदान के रूप में दी जा रही है। 1967-68 वर्ष के लिए गण्डक परियोजना के लिए धन का अस्थायी आवंटन परियोजना अधिकारियों द्वारा बताई गई आवश्यकताओं से कम है। स-साधनों की उपलब्धि को ध्यान में रखते हुए 1967-68 के वर्ष के लिए इस परियोजना के निमित्त अलाट की-गई वित्तीय सहायता को बढ़ाने के प्रश्न पर विचार किया जा रहा है।

मंत्रालय : स्टाफ कारे

3973. श्री विभक्ति मिश्र :

श्री क्र० ना० तिवारी :

श्री कंदर लाल गुप्त :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) प्रत्येक मंत्रालय में मंत्रालय-वार कितनी स्टाफ कारे है तथा वे कारे निम्न किस 'मेक' की हैं और यदि कोई वातानुकूलित कारे हैं तो कितनी और वे किस किस मंत्रालय के पास हैं;

(ख) विभिन्न मंत्रालयों की ये स्टाफ कारे प्रति दिन जितने मील चलती है क्या उस का कोई दीनिक रिकार्ड सरकार रखती है;

(ग) वर्ष 1965-66 में उन पर कितना खर्च किया गया और वह कितने मील खली; और

(घ) क्या यह भी सच है कि मंत्री तथा अधिकारी केवल स्टाफ कारे का ही उपयोग करते हैं; अपनी कारों का नहीं?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई):(क) और (ख). सम्बन्धित

मंत्रालयों/विभागों से सूचना इवर्टी की जा रही है और उपलब्ध होते ही सभा की मेज पर रख दी जाएगी।

(ग) स्टाफ कारे के चलने की मील-दूरी का हिमाब रखने के लिए नियमानुसार एक "लाग-बुक" रखी जाती है। प्रत्येक यात्रा के प्रारम्भ और अंत को लाग-बुक में दर्ज करना होता है

(घ) जी नहीं। मंत्रियों और अधिकारियों द्वारा वास्नविक सरकारी यात्राओं के लिये तथा निर्धारित दरों के हिमाब से अदायगी करने पर सर-सरकारी यात्राओं के लिए स्टाफ कारे राम में लाई जा सकती हैं बशर्ते कि वे उपलब्ध हो। वास्तव में जब स्टाफ-कारे उपलब्ध नहीं होती हैं तो प्राइवेट कारों को काम में लाया जाता है।

मुद्रा का पकड़ा जाना

श्री नन्दार सिंह :

श्री कु-म जग बल्लभ-ध :

क्या वित्त मंत्री 30 मार्च 1967 के अनायाचित प्रश्न मध्या 204 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय तथा विदेशी मुद्रा और कुछ आपतिजनक दस्तावेज पकड़े जाने के बारे में की जा रही जाच पूरी हो चुकी है;

(ख) यदि हा. तो क्या अपराधियों के विरुद्ध कोई कार्यवाही की गई है; और

(ग) यदि हा, तो उस का व्यौरा क्या है ?

उप-प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) जिन व्यक्तियों ने विदेशों में रहने वाले व्यक्तियों के आदेशों के अनुसार अदायगीया प्राप्त की थी उनको विदेशी-मुद्रा विनियमन विनियमन अधिनियम की धारा 19(2) के अन्तर्गत निदेस जारी किये गये